713

RJ-02

June - Examination 2019

B.A. Pt. I Examination

आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य

Paper - RJ-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 70**

निर्देश : औ पेपर खण्ड 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर 'स' में मोटा सवाल दियौड़ा है। हरेक खण्ड रै आगै लिख्या निर्देशां मुजब आपरा पडूत्तर लिखौ।

खण्ड – 'अ' **$7 \times 2 = 14$**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश : इण खण्ड रा सगळां सवालां रा जवाब देवणा जरूरी है। आप रै जवाब री सीमा अधिकतम 30 सबद है। हरेक सवाल 2 अंक रौ है।

1) (i) ''वीर सतसई'' रा रचनाकार रौ नांव लिखौ।

(ii) चावी रचनावां ''लू'' अर ''बादळी'' रा रचनाकार कुण है?

(iii) कविवर कन्हैयालाल सेठिया री किणी दो रचनावां रा नांव लिखौ।

(iv) डॉ. नारायणसिंह भाटी रचित किणी दो रचनावां रा नांव लिखौ।

(v) ''डांखळा'' सैली में काव्यपोथी रचणवाळा कवि कुण है?

(vi) ''बगत बायरौ'' काव्य रै रचनाकार रौ नांव लिखौ।

(vii) ''चतुर चिंतामणि'' काव्यकृति रा रचनाकार कुण है?

खण्ड – ब **4 × 7 = 28**

(छोटा सवाल)

निर्देश : इण खण्ड में सूं किणी चार सवालां रा जवाब 200 सबदां री सींव में देवणा है। हरेक सवाल 7 अंक रौ है।

2) आधुनिक राजस्थानी प्रकृति काव्य परम्परा माथै सांतरी टीप लिखौ।

3) ''चेतावणी रा चूंगटिया'' रचना रा भाव उजागर करता थकां इणरौ उद्देश्य स्पष्ट करौ।

4) चावा कवि गिरधारी सिंह पड़िहार रौ जीवन परिचै उजागर करौ।

5) कविवर गोर धनसिंह शेखावत री सिरजण जातरा उजागर करौ।

6) चावा कवि भगवतीलाल व्यास री काव्य पोथी ''अगनी मंतर'' बाबत जाणकारी परक टीप लिखौ।

7) कवि गिरधारी सिंह पड़िहार रचित काव्य रचना ''मानखो'' रा भाव उजागर करौ।

8) आधुनिक राजस्थानी सांस्कृतिक काव्यधारा बाबत आपरी जाणकारी उजागर करौ।

9) गीति काव्य परम्परा में कविवर कल्याणसिंह राजावत रै योगदान नै उजागर करौ।

खण्ड – स **2 × 14 = 28**

(मोटा सवाल)

निर्देश : इण खण्ड में सूं किणी दो सवालां रा पड्डूतर 500 सबदां री सींव में लिखौ। हरेक सवाल 14 अंक रौ है।

10) आधुनिक राजस्थानी काव्य रौ जुगीन दरसाव उजागर करता थकां खास–खास कवियां अर उणारी रचनावां रौ परिचै देवौ।

11) बावजी चतुरसिंह रौ व्यक्तित्व उजागर करतां थकां उणारी रचना ''चतुर चिन्तामणि'' रौ भावगत फुटरायौ उजागर करौ।

12) कविवर गिरधारी सिंह पड़िहार रै काव्य सृजन री विस्तार सूं समीक्षा करौ।

13) कविवर भगवतीलाल व्यास री काव्यकृतियां री उदाहरणां साथै समीक्षा करौ।